Roll No. .....
Signature of Invigilator .....

Paper Code
MAP-401

पतंजलि विश्वविद्यालय

University of Patanjali

Examination August – 2021

M.A. Psychology (with Specialization in Clinical Psychology), Semester : Fourth
Psychology; Paper : First

Guidance and Counseling Psychology

Time: 3 Hours **Max. Marks: 70**

Note: This paper is of seventy (70) marks divided into two (02) sections A, and B. Attempt the questions contained in these sections according to the detailed instructions given therein.

नोट : यह प्रश्नपत्र सत्तर (70) अंकों का है जो दो (02) खंडों क, तथा ख में विभाजित है। प्रत्येक खण्ड में दिए गए विस्तृत निर्देशों के अनुसार ही प्रश्नों को हल करना है।

Section - A / खण्ड–क

(Long Answer Type Questions) /(दीर्घ–उत्तरीय प्रश्न)

Note: Section 'A' contains five (05) long-answer-type questions of fifteen (15) marks each. Attempt any **three** questions. **(3×15=45)**

नोट : खण्ड 'क' में पांच (05) दीर्घ उत्तरीय प्रश्न दिए हैं, प्रत्येक प्रश्न के लिए पंद्रह अंक निर्धारित हैं। किन्हीं तीन प्रश्नों के उत्तर दीजिए।

1. **परामर्श के स्वरूप को स्पष्ट करते हुये परामर्शन एवं मनोचिकित्सा के बीच विभिन्नताओं की विवेचना कीजिये।**

   Describing nature of counseling discuss the differences between counseling and psychotherapy.

2. **वर्तमान समय में परामर्शकों की भूमिका और प्रकार्य तथा उनके व्यावसायिक प्रशिक्षण के महत्त्व को स्पष्ट कीजिये।**

   Discuss the role and functions of the counselors and importance of their professional training in current time.

3. **उपयुक्त उदाहरण सहित परामर्शन के 'क्लायंट केन्द्रित उपागम' का समालोचनात्मक विश्लेषण कीजिये।**

   Critically analyze the 'Client Centered Approach' of Counseling with suitable example.

4. **'वर्तमान सामाजिक तंत्र' में पारिवारिक एवं वैवाहिक परामर्शन की आवश्यकता एवं महत्त्व पर प्रकाश डालिये।**

   Throw light on the need & importance of family and Marital Counseling in the present societal system.

5. **भारत के विशेष संदर्भ में परामर्शन के भविष्य को आप किस रूप में देखते हैं? समझाये।**

   How do you see the future of counseling with special reference to India? Explain.

Section - B / खण्ड–ख

(Short Answer Type Questions) /(लघु–उत्तरीय प्रश्न)

Note: Section 'B' contains Seven (07) short-answer-type questions of five (05) marks each. Attempt any **five** (05) questions. **(5×5=25)**

नोट : खण्ड 'ख' में सात (07) लघु उत्तरीय प्रश्न दिए गये हैं, प्रत्येक प्रश्न के लिए पांच अंक निर्धारित हैं। किन्हीं **पांच** प्रश्नों के उत्तर दीजिए।

1. परामर्शन के नैतिक मुद्दों पर संक्षिप्त टिप्पणी लिखिये।

   Write a short note on ethical issues in Counseling.

2. परामर्शकों के आवश्यक गुणों (विशेषताओं) पर लघु लेख लिखिये।

   Write a short note on essential characteristics of Counselors.

3. परामर्शन के 'व्यवहारात्मक' एवं 'मनोविश्लेषणात्मक' उपागम के बीच अन्तर स्पष्ट कीजिये।

   Differentiate between Behavioral and Psychoanalytic approach of Counseling.

4. 'तनाव प्रबंधन उन्मुखी परामर्शन' पर लघु टिप्पणी कीजिये।

   Write a short note on 'Stress Management Oriented Counseling'.

5. परामर्श के संबंध में 'ट्रान्जेक्शनल एनालिसिस' के महत्त्व को समझाइये।

   Briefly explain the importance of 'Transactional analysis' in relation to Counseling.

6. वृद्धों एवं समाज के कमजोर तबकों के लिये परामर्शन की आवश्यकता एवं महत्त्व को समझाइये।

   Explain the importance of the need of counseling for old age & Weaker section of the society.

7. 'तार्किक संवेगात्मक व्यवहार चिकित्सा' पर संक्षिप्त टिप्पणी कीजिये।

   Write a short note on 'Rational Emotive Behavior Therapy'.

----------x----------